

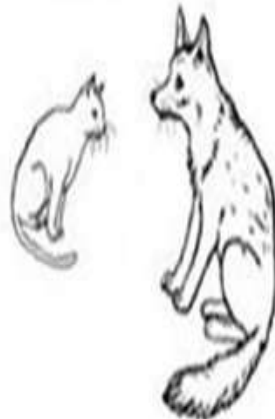
कथा संग्रह



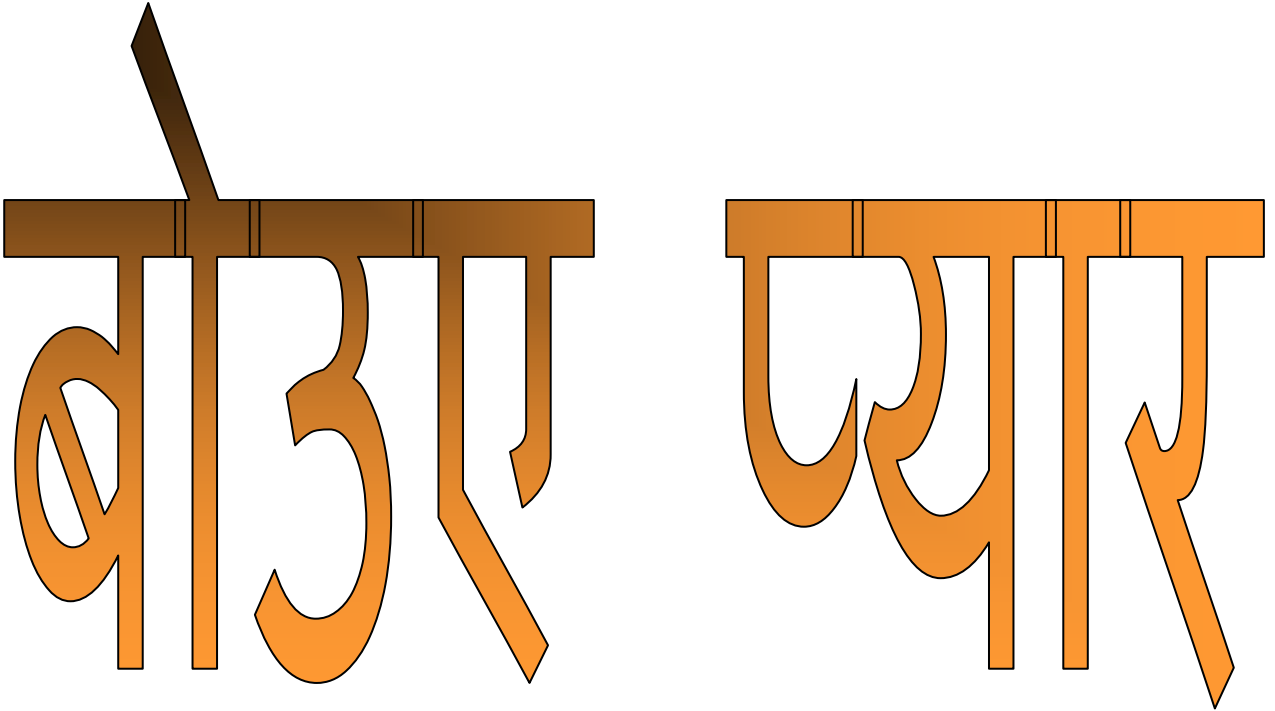
बोडर



प्यार



SAMPLE COPY



₹. 30/-

बोडए प्यार

By

Pangiteam

First trial edition: October 2011

Compiling team:-

Mr. Devraj Rana, Parmas.

Mr. Binaya, Parmas.

Mr. Dhanunjay, Karel.

Editorial team:-

Mr. Mahatam, Karel.

Mr. Hari Ram, Killar.

This book can be reproduced for the contribution and development of the Pangwali language. No portion of this book may be reproduced in any form for commercial use, without written permission of the Compilers.

For further suggestions, contributions and involvement in development of Pangwali language, please contact

Mahatam Mobile No. 9418431531

Hari Ram Mobile No. 9418429574

Binaya Mobile No. 9418721336

Dhanunjay Mobile No.: 9418411599, 94184111599

Parmas village, Killar Post, Pangi, Chamba district. 176323.

Mail to: pangiteam@gmail.com



Would you like to read this book in your computer?
Or you want to share this book to your friends and relatives, who are out of valley? For an electronic copy (pdf downloadable file) please mail to

pangiteam@gmail.com

प्रस्तावना

जानवर त मेहणु अन्तर यक खास फरक असा। जानवर कदि सोच न सकते पर मेहणु सोच सकता। से न कि सिर्फ अपु पुराणि बोक सोचता, पर भविष्य बारे बि सोचता। मेहणु दिले दुनिया अन्तर न कि सिर्फ मेहणु बोक कते बल्कि जानवर, बुटे त घोड़, सोब बोक कइ सकते। तसे दिले दुनिया अन्तर सोब कुछ भुई सकतु। असंभव कुछ बि नेई।

एस सोच पुठ बणो सी हें कति कथा त घीत। कथा त घीत मेहणु जिन्देगी अन्तर खास महत्व रखते। से जिन्देगी अन्तर रस भरते त सुआ चिजे बारे बि बताते। कथा सोबि ट्यारि भुन्ति। स्याणे मेहणु त गभूर सोब एसे बोलि मज्जा नेन्ते। कथा अन्तर अस अपु मने सोच बताई सकते। जे चीज असी असंभव लगति, जे असी अपु टीरे बोलि कदि न काउ, जेठ अस कदि न घेई सकते, जे अस कदि न कइ सकते, से सोब अस कथा त घीत अन्तर कइ सकते। कथा त घीत असी सपणे दुनिया अन्तर नेन्ते त अजब अजब चीजे हरालते त शिचालते बि।

ए किताब कुछ इं कथाई जे बणो असी। हें उम्मीद असी की एन्ही कथाई के बोलि तुस मज्जा नेन्ते त कुछ शिचते बि।

कोई बि सुझाव देण जे दुतो पता पुठ अस जे चिठ लंघाए।

धन्यवाद

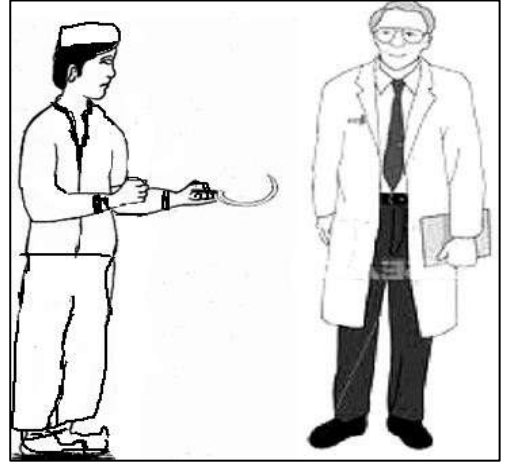
(इस किताबि अन्तर जे बि चरित्र त नाउं असे, से सोब काल्पनिक असे। अगर कोई कथा त नाउं केसे जुएई मीती त से बस् यक संयोग असा। तेसे असली जिन्देगी जुएई कोई मेल नेई।)

विषय सूची

1. काकुरामे अकल	6
2. राजे बिएजु	7
3. कउं जीतता	11
4. बोउए प्यार	12
5. केसे स्यापा सा ?	14
6. झर्डी दे त खड भो	16
7. फुलियाठे टजोट	18
8. स्याणा जिम्मदार त तसे कुतर	22
9. मालिक मेहणु	24
10. अंतर कउं भैण	29
11. माफ करणे फल	31
12. माछि के पार्लामेन्ट	34
13. केसेरी बुराई न करीण	37
14. सोबि केआं सुखी मेहणु	40
15. अपफ नम्र करे।	42
16. सचाई	45
17. यक होरि इज्जत करें	47
18. रोभ न करुण	49

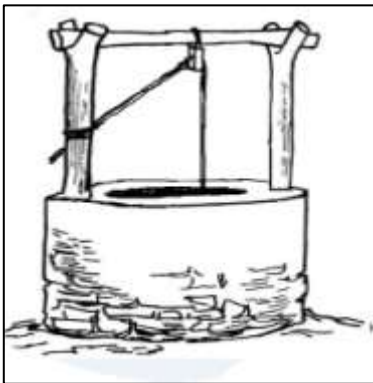
1. काकुरामे अकल

काकुराम नोउए यक मेहणु थिआ। मेहणु तस जे बोतेथ कि “काकुरामे अकल तसे थुरी अन्तर असी”। यक रोज काकुरामे लाथ बहरि धुप रेहि गोउ। खरी गरमी भोई गइ। जपल काकुराम लाथ टा त से



डरा। सोचुण लगा कि में लाथ त सुआ बुखार चढो सा। जे तेठिआ नठा, दौड़ दी कइ, डाक्टर केई पुजा। डाक्टर, सोब कुछ समीझ गो थिआ। डाक्टरे इरुह लाथ रेजुड़ बइ बन्हु त कुंए अन्तर ढनाई छोउ। बोलु कि तु थोड़ि देर बाद एई कइ घिन गा। जपल काकुराम तेठि पुजा त हेरान भोई गा। ओ हो! सचे लाथ ठनु भोई गो सु। बुखारे ऐ बधिया ईलाज असा।

कुछ रोज पता, काकुरामे ईया तेज बुखार भोई गा। काकुरामे सोचु कि ईये बुखार त अउंए उतार सकता। झठ तेनि अपु ईये किआड़ि बइ रेजुड़ बन्हि कइ कुंए अन्तर ढनाई छइ। थोड़ि देर

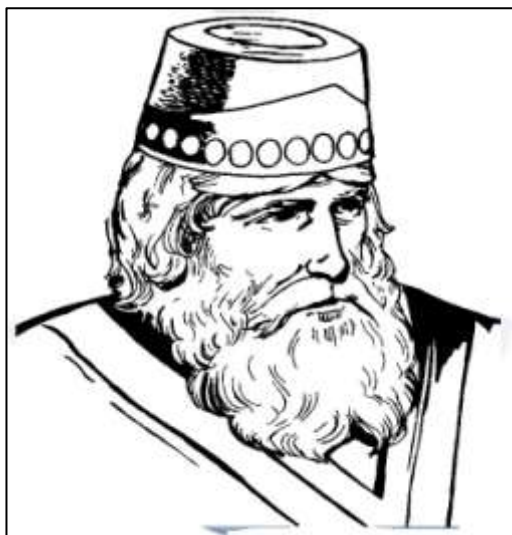


बाद आ त रेजुड़ खड़िआ थुसता त कि हेरता? ईये टी त दन्त बहर निस गो थिए। त जिसम पुरा ठना भोई गो थिआ। काकुराम सोचुं लगा कि हेर, बुखार उतीर कइ ईये कति खुश नजर ऐण लगो सी।

- देव राज राणा, परमस

2. राजे बिएजु

यक देश अन्तर यक राजा थिआ। से बड़ा खरा थिआ त अपु टज तेस तीं ट्यारी थी। तेन सोचु कि अपु गँभुर या कोइ दरबारी मेहणु से राजा न बणान्ता। मरुण केआं पेहले से यक नेक मेहणु जे कि सादा-सिदा भुन्ता, तेस अपु जगाह राजा बणांता। त तेन निआंग दी कइ यक रोज अपु ईलाके सोबि जवान कुआ दरबार अन्तर भिए।



तियेस राजे तेनि जे बोलु “राजगदि छड़णे में टेम एई गो सा। त छड़ण केआ पेहले अउं चंहता कि तुस बुछ राजा बणुं जे यक जवान पसन्द कता”। इ शुण कइ सोब जवान हेरान भोई घेन्ते। से सोचते कि राजा अपु कुआ किस राजा न बणान्ता। पर राजे बोलु “से कम करुं जे अउं तुसी सोबि जे यक-यक बिएजु देन्ता। तुस से नी कइ लाण दे, पोण त खाद दिए। त यक साल अन्तर तस इठ अण्हि दे। हेरते कि तुस सोब कि-कि उगान्ते। तउं अउं बतान्ता में पतू राजा कउं बणता”। इ शुण कइ सोब जवान खुश भोई घेन्ते त अपु-अपु बिएजु टाइ कइ गी जे घेन्ते।



तेन्हि जवानी बुछ राम सिंह बि यक जवान भुन्ता जे कि अपु बिएजु टाइ कइ गी

एन्ता त अपु ईया जे सोब कुछ बतान्ता। से तेस बिएजु यक गमला अन्तर लान्ता त पोण देन्ता। से कुछ रोज भाणं बिश्ता त पता परशान भोई घेन्ता कि तेस बिएजु लुन्गि एन्ति नउं। तसे ईया तसे हउ कुछ रोज भाणं बिशुण जे बोति। त से हर रोज हेरी बिश्ता कि कपल तस बिएजु लुन्गि निस्ति। से अपु दोस्ति केआं शुणता कि तेन्हि कि-कि उगो असु। त राम सिंह अपु ईया जे पुछता कि तेस बिएजु जगा हरे बिएजु छता त से बि बुटा उगाई सकता। पर तसे ई बोति कि “ना कोया ना, तु बस् तेस बिएजु इरु बिशुण दे। कि पता ए बिएजु चेरे लुंगतु। राम सिंह निराश भोई कइ तेस गमले इरुह बिशुण देन्ता। इ भोई कइ यक साल भोई घेन्ति। त सोब जवान अपु-अपु बुटे बारे बोक करुं लग घेन्ते।

पता राजे डाकिआ एई कइ राम सिंह जे बोता, “अपु बुटा घिन कइ पाँशु दरबार अइ। राजा हेरता कि तुसी कि उगो असु”। इ शुण कइ राम सिघे मांस झड़ घेन्ता। तेसे मन, राजा तेस बिसरी गो भोल। पर अब कि कता। तसे बिएजु त उगोरु नेईं। से खालि गमला घिन कइ की घेन्ता। त पता नेईं राजा तस कि दन्ड देन्ता। इ हेर कइ, तसे ई बोति “घेण दे कोया, ना त राजे सिपाई एई कइ तउ नेन्ते त राजा तउ औखि सज्जा देन्ता”। से ज्यू-क्यू कइ अपु गमला टान्ता दे राजे दरबार घेन्ता।





तठि पुज कइ से हेरता कि सोब जवान अपु-अपु गमले भैड़ खड़-खड़ असे। तन्के गमले अन्तर केसे फियुड़ त केसे मठुड़-मठुड़ बुटे असे। त राम सिंह हेर कइ तसे दोस्त तेस थुस कइ बोते, “तेई किं बुटा उगो सा बे। कैसे ना केंगे बाड़ा बुटा त नेई लो”। बिचारा, राम सिंह अगर घेई न बटता त से सोबि केआं पतूं खड़िन्ता।

राजा एन्ता त सोब चुप घेई घेन्ते। राजा हेरता कि सोबि जवानि अपु अपु बुटे अण्हों से। पर तेसे नजर राम सिंह पुठ घेन्ती। से अकेला भुन्ता जेसे गमला अन्तर कुछ न भुन्तु। राजा बोता, “तुसी सोबि मुबारक। मेंईं जीं बुलो थिउ, तुसी सोबि तीं किओ असु”। तउं से राम सिंह हेर कइ बोता, “कोया, इठ आई”। राम सिंह कशी घेन्ता। तेसे मन “राजा अब तस जेहेल अन्तर ठोकता, किस कि मोउ केईं कोइ बि बुटा नेई”। से ठरकते-ठरकते राजे भैड़ पूजता। त राजा पुछता “तें नोउ कि असु”? राम सिंह बोता “में नोउ राम सिंह असु, महाराज”। त से होर सोब जवान हेर कइ बोता “तुस सोब इठ एकिवा भोसे नये राजा बणु जे। त शुणे, में पता जे राजा भुन्ता तसे नोउ राम सिंह असु। में पता इ जवान कुआ राजा बणता। सोब हेरान भोई घेन्ते। त दरबारी बि कुछ समझ न एन्तु। जे महामन्त्री भुन्ता



से पुछता कि “महाराज! ए त बड़ि नाइनसाफी भुओ। तेस राम सिंहे गमले त कुछ बि नेई। त ए राजा कीं बणता?

राजा धिक हस कइ बोता “यक साल अगिर, तुसी सोबि के धे मेईं जे बिएजु दितो थी, से सोब उबुलो थिए। तुसी जपल हेरु कि से बिएजु लुन्घतु नउं त तुसी सोबि होरे बिएजु उगे। सिर्फ राम सिंहे से बिएजु न बदलु। बस सेईंए यक ईमानदार जवान असा। त अउं तसे अपु जगा राजा बणान्ता।

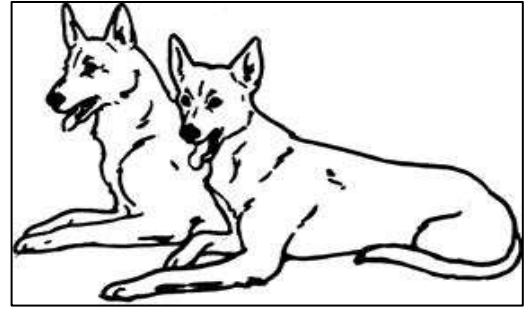
ई शुण कइ होरे जवानी के मुह शुख गउ। त राम सिंह अत खुश भोई गो थिआ कि तेस ईं पता न लगा कि से कपल अपु



गी पुजा। त तसे ईंए तेस जे बोलु “हेरु न कोइआ, ईमानदार भुणे कि फायदा असा। हा, कुछ दुःख बि खाण एन्ते पर तसे केआं ज्यादा खुशि त शान्ति मेति”। पता राम सिंह राजा बणा त सोब टज बाड़ि जोई अब्बुल बिशा।

3. कउं जीतता

यक दाँदु दुई कुतर पड़ो भुन्ता। त यक रोज तसे पोउतुर हेरता की दुहिए कुतर एकेकि दन्तियाण लगो भुन्ते। त से तेन्हि लेउडे बइ दौड़ान्ता। पर तसे मन अन्तर यक सवाल एन्ता। से अपु दाँदु केआं घेन्ता त बोता, “दाँदुआ, मोउ कुछ पुछुण असु”। से बोता “पुछ”! त पोउतुर बोता, “अगिर, हें दुहिए कुतर दन्तियाण लगो थिए। अउं ई सोचुण लगो थिआ कि अगर ए दुहिए झगड़िन्ते त



कोउं जीतता”?

दाँदु अपु पोउतुर हेरता। धिक सोच कइ बोता कि “जेस कुतर अउं सुसुर खिलान्ता, से कुतर जीतता”। पोतुर बोता “हां, जेस सुसुर खांजे मेटु से जरूर मस्तिता त जीतता बि”। पता दाँदु बोता, “पोउतुर, हें मन अन्तर बि दुई कुतर भुन्ते। यक खरा त होरा खोटा (गन्दा)। जे खरा सा से हमेशा अब्बुल सोचता, त खरा खरा कम कता। ओर जे खोटा (गन्दा) भुन्ता से हर टेम कुस्तुरु सोचता त कम बि कुस्तुरु कता। अगर, तु अपु मन अन्तर जे खरा कुतर असा तेस सुसुर खिलान्ता त से जीतता। ओर, तु खरा मेहणु बणता। अगर, तु अपु मन अन्तर जे गन्दा कुतर असा तेस खिलान्ता रेहन्ता त से जीतता। तु हउ, बुरा मेहणु बणता।

4. बोउए प्यार

यक गाँ, यक मेहणु दुइ कुआ थिए। तेनि बुछ केंठा कुआ अपु बोउ जे बोता, "तें धन अन्तर जे में बांट असी तेस मेन्ने दिए। तउं तेन मेहणु अपु सोब बग, धन सम्पति त रुपेइ अपु दुइ गभुर बुछ बांटी। सुआ दिन नेओथ भो, से कुआ अपु बग बेछ-बूछ कइ सोब धन सम्पति किठेरा त यक दुर देश नशी गा। तेनी तठि तास खेलण, गंजा, अराख पीण त होरे गंदे काम कइ कइ अपु सोब रुपेइ मुकाई छाड़े। जपल तसे रुपेयि ठटि मखि गो,



तखेई तठि यक बड़ा अकाल पिया। क्यों कि तेन अपु सोब रुपेइ इरु खर्चा कीओ थिआ, त से खाण जे कोई बि मेहणु कुछ न देन्तेथ। जपल दुके सुआ रोज भोई गो त तस घेरा एण लगा। त तेनि सोचु

इरु बिश कइ कोई फइदा नेई, कुछ न कुछ त जरुर करुं लौतु। ना त अउं इठ दुका मरी घेन्ता। पता, से तेस देश यक सहंकारे गी नौखरि करुं जे गा। तेनि सहंकारे से पुहाल बणाई छाड़ा त तस ढाडुइ जेई लंघा। दुके तस सुआ रोज भोई गो थिए त तेनि कोये मन, जे अइदा गोउर खान्ते तसे बोलि अपु पेट भरता। पता जपल से अपुं चेता पुठ एइ गा त से अपफ जे बोलुण लगा कि,

में बोटए नौखरि रज्जि खई के बि कति रौंठि इरु बचति त अउं



इठ दुके मरण लगो सा। अभेई अउं अपु बोट केई घेन्ता त तस जे बोता “बोटआ, मेई परमेश्वरे त तें अगर पाप किओ सा। त अब अउं तें कुआ बोलुणे लायक नेई रिहो। त मोउ तु अपु

नौखरे ईं रख। तों से खड़िआ त अपुं बोट केई घेई गा। से दुरे इ थिआ, तेसे बोट तेस हेर कइ पेछाणि गा। तेस अपुं कोये हाल हेर कइ तस पुठ दा अई गई। से दौड़ दी कइ गा त अपुं कुआ जुए गड़े मिआ त फोकइया। त से कुआ अपु बोट जे बोता, “बोटआ, मेई परमेश्वरे त तें अगर पाप किओ सा। त अभेई अउं तें कुआ बोलुणे लायक नेई रिहो”। पर तसे

बोट नौखर जे बोता “झट पट यक अब्बल ईं झीणे आण कइ एस डबाण दे त अन्गुलि जुए यक सुने अंगुठि त खुरि जुए बुटे लाण दे। तउं घेई कइ यक जबर ईं बकरा कटा । अस धाम कते त जाठ



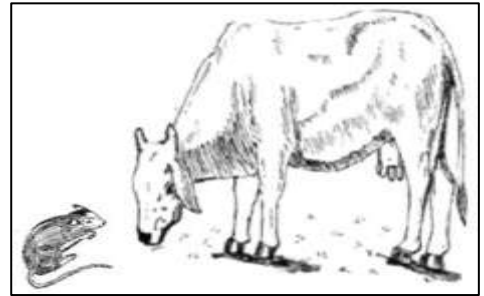
लान्ते। क्यों कि में यक कुआ मारि गो थिआ, से फिर जीं गा। से गाड़ि गो थिआ त दुबारि मी गा”। तों से सोब मीं कइ खुशी जुए जाठ लाण लगे।

5. केसे स्यापा सा ?

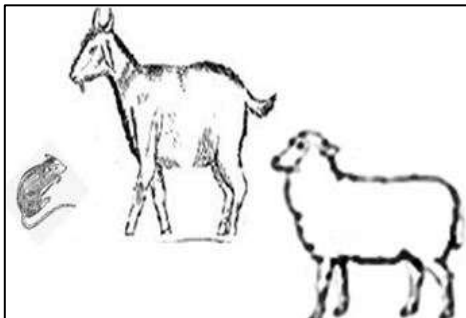
सुआ साल केआं यक जिमदारे गी यक मुशरेउ भुन्तुथ। यक रोज तनी अपु खोपर अन्तर शुणु कि जिमदारे कुआ अपु बोउ जे बोता “इस पुराणि गी पुठते। ए गी मुशरेउ गी लगतु। जेठ बि हेर मुशेंगिड़ी केती। उपाड़ि छाड़े इसे”।

शेएर एणे बाड़ा थिआ, त इ बोक शुण कइ मुशरेउ स्यापा भोई गा। से बिचारा को घेन्ता, होरा जागा तपुणं जे, त राशन किठा करुं जे सुआ वकत लगता। से बिचारा, ब्यादि तकर भाणं बिशा। जपल गौड़ा, ढेडुड़ बकीर त कुकुड़ ए त से गौड़ा जे बोता “चापणियाल भेउआ, मेईं शुणो सु कि मालिक एस गी पुटण लगो सा”। गौड़ा चापते चापते बोता

“खोपरियालुआ, मोउ कोई चिंता नेई। मालिक में गुएलि थोड़ि उपाड़ता”। पता से घेन्तु ढेडुड़ त बकीर केईं। से



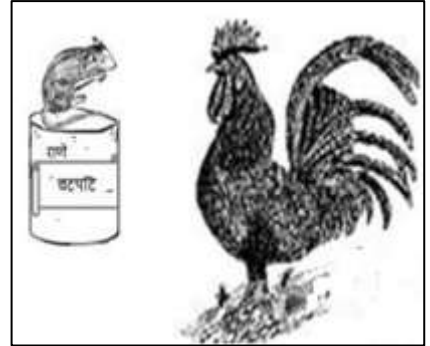
तेन्हि जे बोतु “में बोक धिक शुणि दिए। अउं इ लगो असा, कि मालिक एस गी पुटणे किओ असी। अउं त बगै गीहे भुन्ता। तुस कि कते, को घेन्ते”? बकीर बोति, “कि बे, तउ जे खोपरि के कमि थोड़ि असी। बहार घेण दे त जेठ बि घोड़ भुन्ते तठि



बिशिण दे। ठनु बोलि डरतु न तु। मोउ हेर, अउं न डरती”, अपु छुओड़ हिलाई कइ से मुशरेउ जे बोति। मुशरेउ बिचारा परशान भोई घेन्तु त सोचतु कि कोइ

बि में बोक न शुणते। सोब ठड़ांके मारते। चल, कुकुड़ केई घेन्ता। से मनचा में बोक पुठ धिक विचार करिएल।

से कुकुड़ जे घेई कइ बोता त कुकुड़ अपु पंख खोल कइ बोता “तउ होर कोइ न मेआ न, जे इठ ओसु मोउ जे बोलुण जे”। गा, नश इठिआ”। मुशरेउ बिचारा अपु खोपर अन्तर एई कइ सोचुण लगा कि अउं अब इस मुसिबत केआं कीं कइ बचूं। पता से ठीक कतु त अपु खोपर धिक खन कइ अन्तर कतु।



पता जिमदार अपु कुआ जे जुएलि पुछुण जे घेन्ता त अपु टबर जे बोता कि असी गी ठीक करुण असु। त तन्के कुआ बोता “इस पुराणि गी पुट कइ यक नोउ गी बणान्ते”। पता तेनी से पुराणु गी पुट कइ नोउ गी बणाउ। मिस्त्री एन्ता त तस जे से कुकड़ कटता। जपल छत देणे भुन्ति त जिमदार से ढेडुइ कटता। त से अपु नोउ गी अन्तर गुएली न रखता। कोयिए ब्याह करूं जे से अपु गौड़ा बेचि छता। जपल धाम भुन्ति त से बकिरी कटता। ई सोब हेर कइ मुशरेउ कशी बिशतु।

एस कथा केआं ई शिचुण मेतु कि भाई मुसिबत/स्यापा केसेरि बि भो, असी बि आफत एई सकति। हैं भयाड़े मुसिबत, हैं मुशिबत भिन्थ। अगर असी केआं कुछ बि न करियेल तउं बि असी अपु भयाड़े बोक शुणु असी। अगर न शुणते, मदद न कते त से मुसिबत हैं किआड़ि पड़ती।

6. झड़ीं दे त खड़ भो

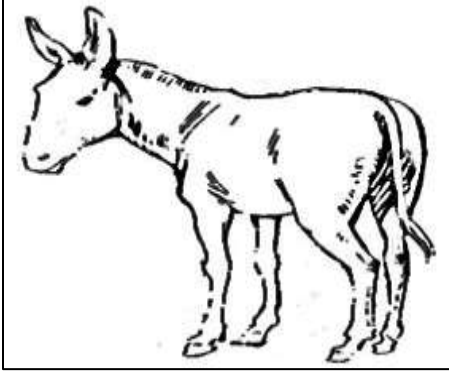
यक जिमदार थिआ। तसे यक स्याणा खेचरा थिआ। यक रोज से खेचरा बग चरूं जे गा त तठि यक शुखो कुएं अन्तर

झाड़ि गा। से बचारा लियेरी देन्ता रेहा। पता, तसे लियारी शुण कड़ जिमदार तठि आ। से खचरे त कुएं हाल हेरता। तेस लगतु कि से स्याणा खेचरा त शुखो कुआं बचुणे



लायक नेईं। त से अपु कम बाड़ि भिएन्ता त बोता कि इस कुएं अन्तर खेचरे बि पथि छाड़े। एस स्याणे खेचरे किढि कड़ कोई फईदा नेईं। एस शुण कड़ बिचारे खचरे मांस झड़ी घेन्तु। से अपफ जे बोता “हेर जेसे समान डिल डिल कड़ मेईं अपु सारी जिन्देगीं घेण दिती से में बारे कि सोचता”।

पता कम बाड़े तस कुएं अन्तर जन फटाण लगते। से अपु मन मारी कड़ खाड़ि भुन्ता। त से जन त मठुड़ मठुड़ घोड़ तस खेचरे पुठ लगती। से अपु पिठ हिलान्ता रेहन्ता त सोब जन बि झाड़ता। पर पता धिक तसे मन अन्तर इ ख्याल एन्ता कि जपल बि कम बाड़े जन फटान्ते त से अपु पिठ हिलाई कड़ से जन भीं झड़ाण त यक कदम पुठे करूं सा। त से तीं कता रेहा। कुछ टेम बाद तेस लगतु कि अंऊ खरा खाड़िआ एई गो असा।



त से अपफ जे बोता रेहा कि “हिलाण दे त अपु खुर खाड़िआ कर”। बस, ई कते कते कुछ देर पता से कुएं कियां पुरे खड़िआ एई गा त हन्ट कइ बग जे गा।

कम बाड़ि त कुछ अजीब न लगु पर से जिमदार सोचता कि “हेर! मनचा, मेई एस खेचरे मारणे सिकिम लोओ थी। पर एन खेचरे में बोक पुठ ध्यान न दिता। से इ सोच कइ चुपचाप न बिशा कि में मालिक त मोउं मारणे मन किओ सा, अब अउं जी कइ बि की कता। से बस् अपु पिठ हिलान्ता रेहा त अपु खुर खाड़िआ कता रेहा। ई कइ कइ से अपु मुसिबत केआं बचा।

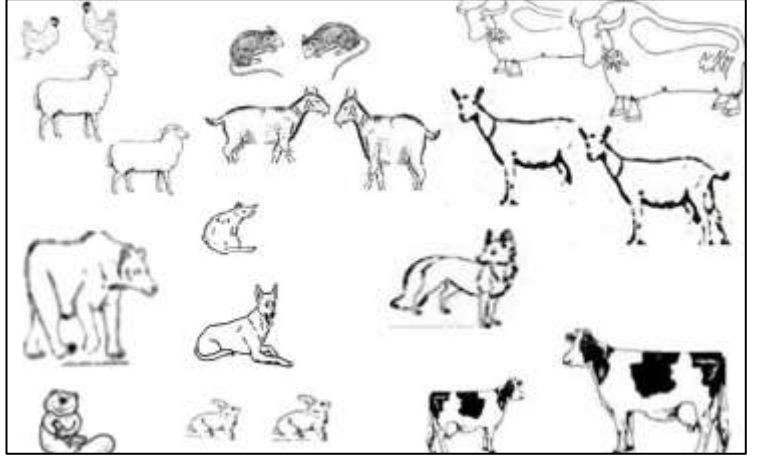
जिन्देगीं अन्तर बि असी केति मुसिबत एन्ति। कते मेहणु अस घटाणे बोक कते। त असी तन्के बोक पुठ ध्यान न दी कइ तसी अपु मन केआं दूर करूं त अपु कम पुठ ध्यान देण। तउं अस बि अपु मुसिबत केआं बच सकते।



7. फुलियाठे टजोट

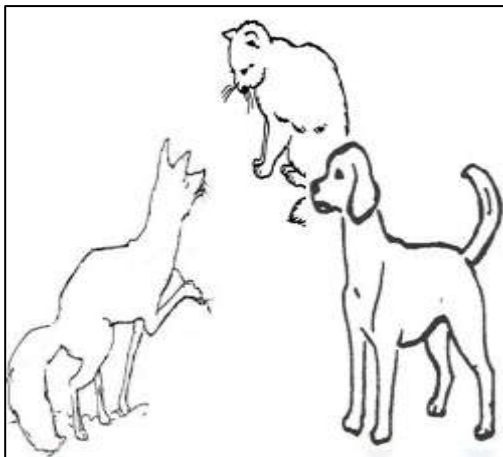
फुलियाठ पथ यक रोजे बोक असी। ठनियार एणे बाडि थी। सोउ रोजे कम बि मुख गो थी। चोहरे कना शुनु थिउ। मेहणु

अपु अनाज भर कइ
ज्यादातर अन्तर
भुन्तेथ। कपले कपले
काग त टिउंकिर लेयार
देन्तेथ। मेई हेरु कि यक
पद्धर पुठ सुआ जानवर



इक्कठा भुओ असे। गौड़े, चूर, जेचूर, खचर, ढेडुइ, बकीर, कुतर, बलाह, कुकिइ, उखन, ढिकूल, पिज, रेउस, थर, ढेबु, सिगालि, मुश त होरे बि जानवर थिए। मोउं पता चला कि तेन्हि यक टजोट भिओ सि, मेहणु त फुलियाठ बारे बोक बिचार करुं जे।

त अउं नियोख कइ तन्के बोक शुणुं जे भएइ गा। जपल यक मोटी पलेण भएइ पुजा त मेई हेरु कि सगालि बोलुं लगो थी, “पंगेई आज कल कि भुण लगो सु। पतुईं टाई चोउर रोज



मेहणु के शोर शराबा न मुका। अउं त इ सोचुं लगो थिआ कि से उंघोरे नेईं। अउं बिचारा चेरे तकर अपु कुड अन्तर भुन्ताथ। जपल बि बहार निसताथ त मेहणु अवाज एन्तिथ। मेईं पतुईं कुछ रोज सुसुर खोरु नेईं”।

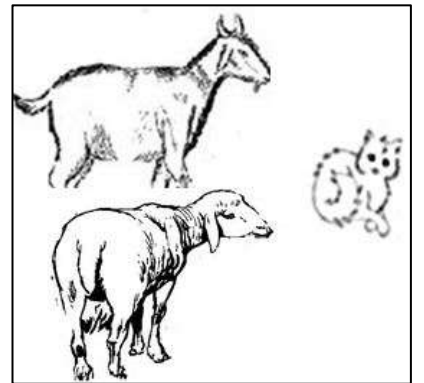
तउं कुतुर त बलाह जोर जेई हसं लगे। गौड़े, बकीर त ढेडुइ एकि होरि जे हेरण लगे। होरे गुओर जीं थेए तिहरु बिशे। तेन्हि सुसुर पता नेओथ कि पांगेईं फुलियाठ लगे थी। त सुआ मेहणु ओ थिए। राथ बइ जाठ लगतिथ। मेहणु नचतेथ त घीत लान्तेथ। सगालि त पता थिआ कि इ फुलियाठी टेम असा। पर जीं इस फेरि भुई से कदि नेओथ भुओ।

बलाहए अपु हसण बन्द कइ सगालि जे बोलु “भाई, पतुईं टा चोउर रोजि अन्तर धाम लगे थी। मेहणु रोज मासूं त होरे बढिआ-बढिआ रोठि बणो थी। मांसु खई-खई मोउ त ती मज्जा

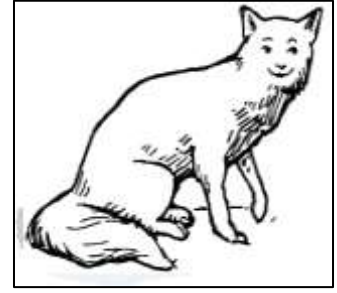


एई गा। इ टाई-चोउर रोज मोउं रज्जि रोठि मेई। जपल बि अउं आटि अन्तर गा त मांसू जरुर मेउ। हें गी यक न यक मेहमान जरुर एन्तेथ, रोठि खान्तेथ त में बंट रखतेथ। मोउं त रोज इ धाम लौति”।

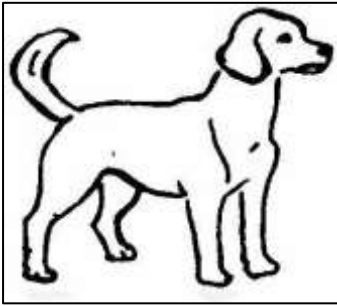
इ शुण कइ ढेडुइ त बकीरी जे चुप न रेहि गोउ। तेन बलाह जे बोलु, “हे तु घोइ गा! तउ पता सा न हें कत भयाइ मार गे इस फुलियाठ बुछ”। खइरि त पटोलि बकीरी बोलु “मेहणु हें धाणि मार छड़े। कन्टेइ अपु दुई कुआ गइइ छड़े। पता नेई अब मेहणु से बि मारो भोल। तेत्था बि तु बोलुण लगे सा कि तउ हाँउ धाम लुओ। हे तु ल्हामण गा आज। बलाह बिचारा चुप भोई गा।



इस बुछ सगालि मुहं केआं पोणि एण
लगो थी, मासुंए बोक शुण कइ। तेनि बोलु
“ठीक सि बलाह, खाणे बाड़ि बोक त ठीक
असी पर से मेहणु अवाज, जे रात ग्यहार बहर



बज तकर एण लगो थी तेस बारे की? मोउं त मांसू मुश्क एण
लगो थी पर कि करुं, से मेहणु अवाज बोली अउं डरी गा। इस
फेरि बलाह कुछ न बोलु। पर टेलु कुतरे बोलु “मोउ पता सा, से

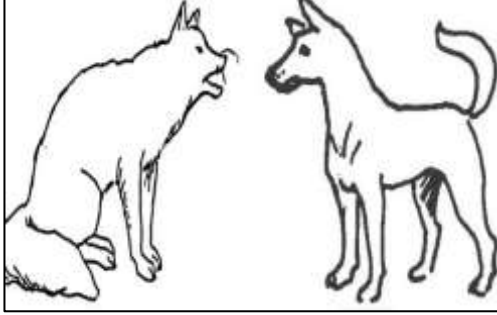


अवाज कीं एण लगो थी। तिएस अउं चौकि
गो थिआ न। मेईं हेरु कि बसष्टेन सुआ
मेहणु एण लगो थिए। ब्यादि टेम कोइ खास
मेहणु एणे बाड़ा थिआ त तसे स्वागत करं जे

बथ बई मेहणु स्टेन्ड बणो थिए। अउं से मेहलियत शइनि काई
त तेस पतूं गा। ब्यादि जपल अउं हस्ताड़ भएइ पुजा त मेईं हेरु
कि चोउ, पन्ज सौ मेहणु बुठो असे। त अगिर स्टेज पुठ कोइ
घीत लाण लगो थिए त कोइ कुई नचं लगो थी। मेईं सोचु कि
घिक अगिर घेई कइ हेरता कउं कउं भुओ ए कुई त अउं गेट
भएइ पुजा त से कुफे कुआ जेस बाड़ लम्मे से, मोउं पुठ जोर
जेइ यक लते दिति दे अउं बिचारा तठिआ दौड़ दी कइ बिजली
बाड़े दफतर तठि पुजा। त तठिआ हेरण लगा। टाई रोज अउं तठ
गा त होरे कुतर बि एन्तेथ तठि। यक रोज सुआ मेहणु ए। मोउं
पता लगा कि तेस फेर नीरु चान्दनी शो देणे बाड़ि थी। मेहणु
ती लेयार दिति त शोर शराबा बि किआ। होर रोज कोइ महिला

मण्डल बाड़ि जिल्हाणु घुरेइ त घीत ले। त रोज मेहणु चरे तकर तठि भुन्तेथ।

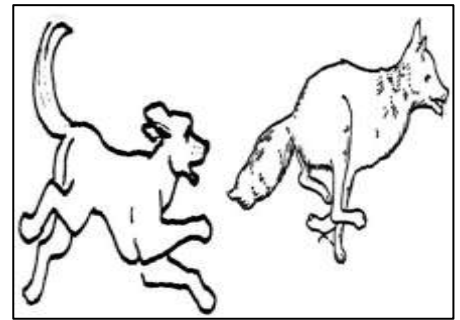
सगालि बोलु, “अच्छा! त सोब मेहणु ता भुन्तेथ न बे। त



मेहणु अवाज में कुड भएइ की एन्तिथ? मोउं त इ लगतुथ कि से में कुड भएइ असे”। “न बे न” कुतरे बोलु “से त साउन्ड बॉक्स थी। तस

जेइ अवाज सुआ मोटा भुन्ती त दूर तकर पुजती। तें कुड भएइ मेहणु कि कते? तें जुठा हलोटा टांग जे बिशते न?” सगालि बोलु “अरे में फुटि किसमत, मेई अति बढिआ धाम छइ दिति। मोउं एतु डरुं न लौतु”।

पता सगालि कुतर जे हेर कइ सचुं लगा कि “की बढिआ जिन्देगि सा इन्के। इ मेहणु न डरते। मेहणु जे सुसुर बिशते। त अब्बुल अब्बुल घाम खांन्ते। तउं तेनि कुतर जे बोलु “कुतर भाई, मोउं बि तउ जे एण दे। अउं बि मेहणु जेई बिशता”। बलाह फी हसाण आई त कुतरे मन, इ अगर मेहणु जेई बिशियेल त मेहणु मोउ जेई घट प्यार कते। त पता ए में जगा नेन्ता। त से जोर जेई बोल कइ घुघुण लगा कि “झट गा तु अपु कुड अन्तर। न त अउं तउ मार छता”। त सगालि दौड़ि अपु कुड अन्तर त होरे जानवर बि दौड़ुं लगे।



तन्के टजोट मुख गई, में कथा बि मुख गई। - षम्मा सिंह

8. स्याणा जिम्मदार त तसे कुतर

यक ग्रां अन्तर यक स्याणा जिम्मदार थिआ। त तसे यक जुएल बि थी। पर तसे कोइ बि गभुरु नेओथ। तसे यक कुतर थिआ। तस से बड़ा-भारी ट्यारा थिआ । तस ग्रां अन्तर दुई दुष्ट धाणि त जुएल बि थिए।



यक रोज से कुतर अपु मालिक जुओई बग गा। त तठि से कुतर बग खनण लगा। त तथ बग अन्तरा सोने सिक्के निसुण लगे। त से मालिक कुछ टेमे बाद खरा धनी भोई गा। ऐ बोक जिखेई तेन्ही दुष्ट धाणि जुएल पता चला त तन्के दुहेई के मन अन्तर आग लग गई। से तस कुतर बन्हि कइ अपु गी जे घिन गे। त से तस कुतर खरु खरु खिलाण लगे। पर तेन कुतरे तन्के खरि खरि रोटि न खेई। यक रोज से कुतर तेनि यक बुटे पढे घिन गा। त बग खनण लगा। तेनि दुहि दुष्ट मेहणु सोचु कि ए कुतर असी बि धनी बणांता। जपल से तेस खोपर खनते त खोपर अन्तरा यक मरो बलाउ निसतु जैस कियां बड़ि-भारि कुस्तरिं मुश्क एन्ति। त से दुहे तठिया नश घेन्ते त लहर अन्तर तस कुतर मार छान्ते। त से तस कुतर तस बुटे पढे पथि छान्ते ।

पता से मालिक तस बुटे ओखलि बणाता। त जपल से तस अन्तर चोउ कुटुण जे छता त से चाउए रो सुना बण घेन्ते । त

से बड़ा-भारि शैठ बण घेन्ता। पता जपल ओन्हि एस बोकि पता चलता त से स्याणा जिम्मदार कियां तस ओखलि खरिद छान्ते । पर जपल से ओखलि अन्तर चोउ रो छते त से किड़े बण घेन्ते त से तेस ओखलि फुकि छान्ते ।



इ शुण कइ, से स्याणा जिम्मदार तेनि कियां पटास मगुं जे घेन्ता। वापिस ऐणे टेम, अगर कियां तन्के राजा त मन्त्री वगैरा ऐण लगो भुन्ते। त से स्याणा जिम्मदार यक बुटे पुठ चढ़ता। त जिखेईं राजा अगर जे घेन्ता त से

तेन्हि पुठ पटास फटान्ता त से फियूडु बण घेन्तु । इ हेर कइ, से दुष्ट मेहणु बि बुटे पुठ चढ़ते त पटास फटाण लगते। त से पटास उडरि कइ राजे आसि अन्तर घेईं घेन्तु त राजे लहेर ऐईं घेन्ति। राजा बोलुण लगता, “केसे हिम्मत भुईं मोउ पुठ पटास फटाणे”। त तपल राजा हेरता कि दुईं दुष्ट मेहणु बुटे पुठ चढ़ो असे त तन्के हतेउ जुए पटास लगो असु। त तसे मन्त्री तेन्हि दुष्टि टान्ते त मडते। त तेन्हि मडी कइ नह् अन्तर फटाईं छान्ते। - देव राज राण, परमस

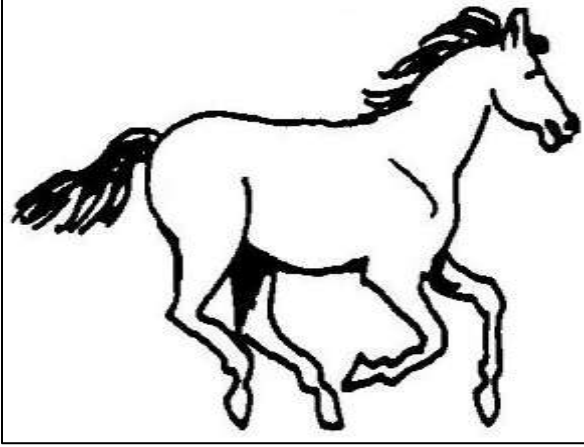
9. मालिक मेहणु

आज अउं यक
अबज ईं मौके बारे
बतान्ता। मौं यक रोज
पुरि सृष्टि के टजोट
घेणे मौका मेआ। तेठि
मेहणु बगेर पुरि सृष्टि
किठिए थी। तेन्हि मेहणु
बारे बोक विचार करिण
थी। समन्दरे, जोसुणे, त
रेगिस्ताने यक-यक



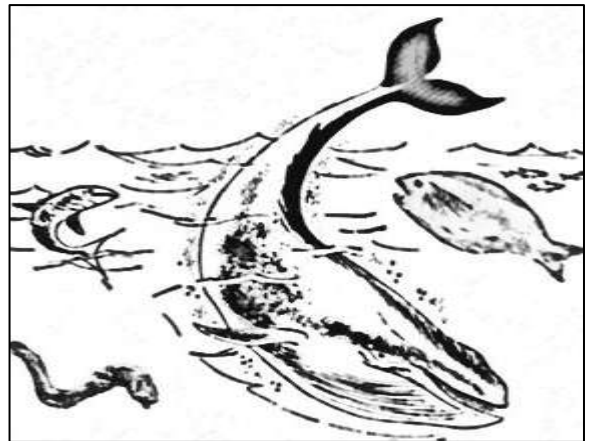
आओ थिए। टजोट शुरु भूई त जिमि पेहले बोलु “आज अस इठि
किठिए असे मेहणु बारे बोक विचार करुण जे। त पेहले मोउं
बोलुण दे क्यौं कि मोउं केईं सोबि केआं ज्यादा मेहणु असे। मोउं
त बस् एतुरु बोलुण सु कि मोउं केईं अब इ कोई जगाह नेई
जेठि कि मेहणु पूजी ना बटता। में जिशम पुठ मेहणु पता नेइ
कीं-कीं रंगाइ कइ रखो सा। से ना कि बस् अनाज बांता बल्कि
से में जिसम खन कइ कोड़े त हाउ बि सामान किढ़ता। से में
जिसम पुठ बथ त बड़े बड़े गी बणान्ता। हाउ मोउं कि बोलुं, में
गभुर बोते इ मेहणु की-की कते। फाट बोता, आज कल मेहणु
चौट पुठ पुजुण जे नई-नई तरकीब किढ़ो सी। पेहलेकण जमाने
मेहणु जेस चौटि पुजा कतेथ, अब मेहणु तेठि घेई कइ मुठते त

हगते बि। यक जानवर बोता, “मेहणू असी सोभी जानवरि केआं बि ज्यादा चलाक से। अस बुछ यक बि जानवर ईं नेई जे कि मेहणु हेर न डरता। एन्हि मतोक सोब गुलाम बणाई रखो से।

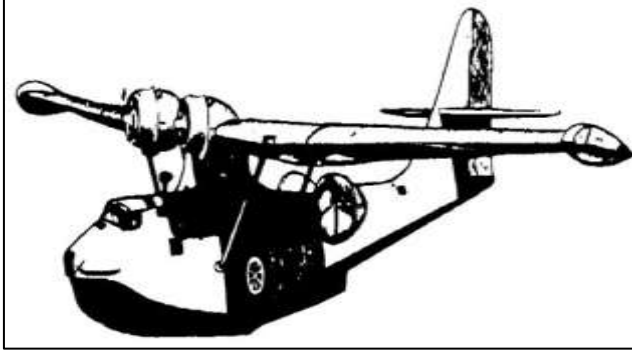


तसे पंखोड़ नेई तउं बि से सोभीं केआं खड़िआ त जोर जुओइ उडरता। तस केईं हें हाथी ईं जोर नेई तउं बि से मोटे मोटे बुटे त घोड़ टोड़ते। तसे केईं हें घोड़े ईं खुर नेई तउं बि से तीं दौड़ता त

झट पुजता। दरियाउ बोता, “आं भाई, तेईं ठीक बोलु। बोता “में हाल बि कुछ ईं असे कि आज कल मोउं बि मेहणु हेर डरूं पड़तु। यक टेम थिआ, जिखेईं मेहणु में इज्जत कतेथ। से मोउं हेर डरतेथ। पर अब ईं असु कि मेहणु मोउं पठ बांध बणाई कइ मोउं रोकते, बथ बणान्ते, गी बि बणान्ते। कोई कोई त मोउं पुठ अडवेन्चर स्पोर्ट्स बि कते। अब ईं मेहणु जे कि बोलुं। अउं त कदि कदि लेहर किढ़ कइ तसे गी त ग्रां उजाइता, बाढ़ बणि कइ”। समन्दर बोलुण लगा “मेहणु अस बि गुलाम बणाई छोउ से। से अब न डरता असी हेर। से त अब असी जुए खेलता, अपु मेर्जि जुओइ बणान्ता। तेन अस नाप छोउ से त हारे हारे नाउं बि दुतो असे। असी पुठ से घेन्ता त एन्ता। असी अन्तर घेई कइ



समान त हीरे मोति चोरता। में जो बि पेहरा देणे वाड़े थिए, सोब तसे गुलाम बणि गे। अब त से में अन्तरे फोटो खीचता, फिल्म बणान्ता, जन्मदिन त हनीमून बि मनान्ता।



समन्दरे हाल शुण कइ सोब परशान भुई कइ खाड़िआ हेरण लगे। त अम्बरे बोलु कि “भाई, में बि ईरु हाल से। से जमाना अब न रेहा जपल

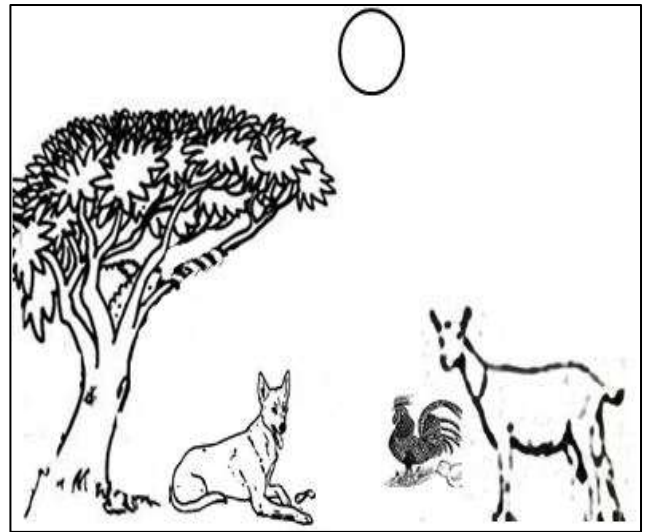
मेहणु मोउं हेर कइ बोतेथ कि भगवान तठि असा। अब त मेहणु मोउं हेरते बस जहाज हेरं जे, पेराशुट त पनाके हेरं जे। अब मेहणु में बदाइ पुठ थोड़ि विश्वास कते, कि भाई मेघ लगता कि न लगता, डगं शीन्ता कि न शीन्ता। से त अब टिवि पुठ मौसमें हाल बाड़ि खबर हेरते। से ना कि सिर्फ में बारे शोध कते, बल्कि होरे ग्रह त तारे पुठ बि शोध करण लगे से। तेठि तेनि सटलाइट रखो से त तेनी बड़ सोब खबर नेन्ते। से त मोउं पठ उडरुं लगे”। जोसण लेहरि कइ बोलुण लगे, मोउं त ती लेहर एण लगे सी एनिं मेहणु पुठ। में अब ई हाल से कि अउं न गीए ना घाते। पेहले मेहणु मोउं हेर डरतेथ त पुजा बि कतेथ। मोउं भगवान मान्तेथ। पर जिखेईं से रोकेट अपोलो-2 बड़ मेहणु मोउं पुठ पुजे त में सोब बड़ापन मुख गा। अब मेहणु त



बोता, असी यक नई धरती मेई गइ। अस तेठि बि गी बणान्ते त होरि चीज बि कते। से त पोणि तोपुण लगो से। में जिमी पुठ अगर पोणि मेई गउ त समझे कि में टेम खतम।

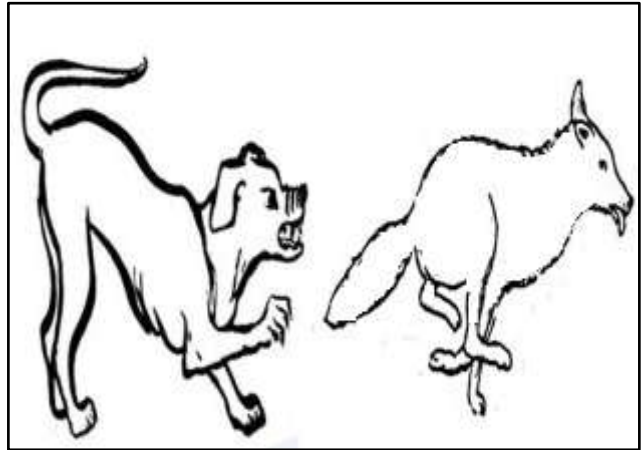
अपु साथी बोक शुण कइ दिस बोलण लगा “भाई! लगतु कि में टेम बि ज्यादा नेई रिहो। अपल तकर मेहणु में बारे थोड़ा इ पता लोओ सा। अब त अउं बि स्याणि लगा। अगले कुछ साल अन्तर में ताकत घटति त मेहणु मोउं बि जरूर गुलाम बणान्ते। कि असी केई कोई नेई न। जे कि असी ई बताई सकता कि मेहणु अतु चलाक कीं बणां”? तउं सिगालि बोलु दिस भाई में ख्याल कुतुर जरूर बताई सकता कि मेहणु चलाक किं बणां। क्यों कि से मेहणु जोई बिशता त तेन्के सुणता रेहन्ता। त सोब कुतरेउ दे हेरं लगे।

पर कुतरेउ त हलोट चापुण लगो थिउ। दिसे बोलु, “ओइ कुतरेउआ! हलोट चापुण बन्द कर त बोलिण दे मेहणु कीं बणां अतु चलाक। कुतरे अपु मुहं खुरे बइ खशोर कइ



बोलुण लगा “मेहणु बारे अब कि बोलुं। से त असी सोभीं केआं अलग सा। भगवाने से अपु ई बणो सा त ई बोलो सु कि पुरि सृष्टि अउं तें गुलाम बणान्ता त तउ तन्के ख्याल रखं एन्ता। मोउं पता नेई कि दिसे अउं कीं काआ त से डर कइ चुपचाप सधे खाड़िआ गा त अपु जगा चमकूण लग गा। जोसुण बि गइ

नोखि। पर होरि पता ई नेई लगो। इस बुछ सिगालि सोचुण लगो थी, कि कुतुर अतु राजे बोक कीं पता लगि। जरुर ए बि मेहणु के किताब पढ़ता। मोउं बि से किताब पढ़िं एं सी। पर अगर अउं कुतुर पुछुं त से जरुर मोउं दौड़न्ता। ईं कति, अउं बलाह पूछति। तेस बि मेहणु गीहे बारे सुसुर पता सा। से मठे बलाहए भेड़ पूजा त तस जे बोलु, “बलाह भाई, तउ जरुर पता सा मेहणु के किताब कोठि भुन्ति। तें शाबुश, मोउं बताण दे, अउं तस अपफ जे रखता त पढ़ता। इ शुण कइ बलाह हसोण एई त जोरि जोड़ बोलु, “हे कुतर, इए शुण, सुगालि कि बोति। इए तें मालिके गी चोरि कति, बोति”। त कि, इ शुण कइ कुतर सुगाल जे घुधुं लगा त सुगालि जंगल अन्तर दौड़ि गइ। होरे सोब दिसे दे हेरं लगे त दिस कपले अपु जगाई घेई गोसा। पता जपल तेन्हि सोबि अउं काअ त से सोब दौड़ूं लगे, इ सोच कइ कि इए मेहणु असी अब गुलाम बणाई छान्ता। अउं बिचारा हाथी हेर डर कइ गी जे दौड़ूं लगा, से बि दौड़ूं लगे। तन्के टजोट इ कइ मुख गइ त में कथा बि मुख गइ।



- षम्मा सिंह

10. अंतर कउं भैण

यक जिल्हाणु अपु गीहे अगर टाई मेहणु बिशो केते। से सोचती मनचा! ओ बिचारे दुके त ठने से। त से तठी घेई कइ तेन्हि जे बोति “तुस अनजाणे असे। फी बि तूं शाबुशे तुस, अन्तर आए त आग सेकीण दिए त कुछ खाण दिए।

त तेन्हि बुछ यक बोता “गीहे मालिक अन्तर असा ना”। से बोति “ना, से कमण जे गो सा। से मेहणु बोता “तउं त अस अन्तर एई न सकते”। पता जपल तसे धाणि गी एन्ता त से अपु धाणि जे सोब कुछ बतान्ति। तसे धाणि बोता “गा त तेन्हि भियांण दे”। जपल से तेन्हि मेहणु अन्तर भियांन्ति, त से बोते “मी कइ अस कदि यक गी न घेन्ते”। जिल्हाणु बोति “से किस्?”

तेनि बुछ यक बोता “में नउं ‘धन’, इस नउं ‘सफलता’ त हौरे एस नउं ‘प्यार’ असु। त



अभेई अन्तर गा त अपु धाणि जुए बोक विचार कर कि असी बुछ कोउं अन्तर एण”। से जिल्हाणु अन्तर घेई कइ अपु धाणि जे बोति, से बोता कि अस ‘सफलता’ अन्तर भियान्ते, ताकि अस हर कम अन्तर सफलता पान्ते। पर तसे जुएलि नाराज भोई कइ बोति “ना ना, अस धन भियान्ते। ताकि हे गी धने

बोली भरीएल, तउं अउं अब्बुल अब्बुल सूट त कॅन्टुड लाई सकति। ग्रां अन्तर हें इज्जत बि बधती। ईं भोई कइ से दुईए बोकि बोकि अन्तर झगड़ेण लग घेन्ते।

पता होरे कमरे अन्तर तन्के बेउठी बिशो भुन्ति त से ठटी शुणति। से तठि एई कइ बोति कि “ईं किस ना कते, अस ‘प्यार’ अन्तर भियान्ते, ताकि अस सोब अपफ बुछ प्यार जुएई बिशते”। ए गल तेन्हि धाण जुएलि खारि लगति। त से ‘प्यार’ भियाण जे घेन्ते। से बोति “तुसि बुछ ‘प्यार’ कोउं सा, छने! अन्तर एइए”।

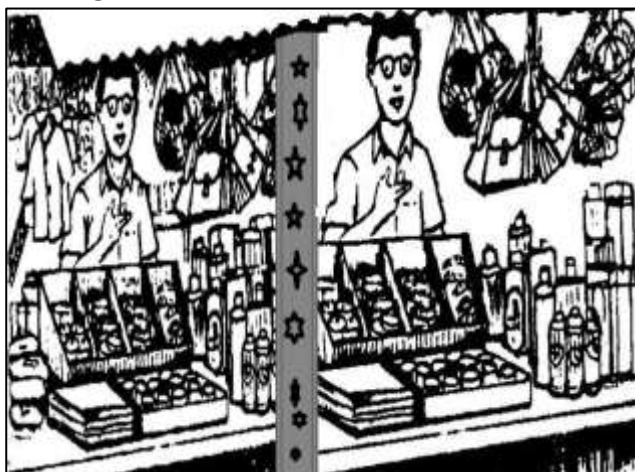
जपल ‘प्यार’ घेण जे खड़िन्ता त ‘धन’ त ‘सफलता’ बि तस पतूं खड़िन्ते। त से जिल्हाणु बोति “तुस किस एण लगो से”। से बोते “प्यार जेठ घेन्ता, अस बि ता घेन्ते। बिना प्यार अस बिशी न सकते।



11. माफ करणे फल

यक लाला थिआ। तसे दुई जूटे कुआ थिए। से हेरणे यक ईं लगतेथ। से दुहिए अपु बोड जोड दुकान अन्तर कम कतेथ। जपल तन्के बोड मरी गा त तेन्हि दुहि मी कड दुकान चलाई। सोब कुछ ठीक ठाक चलो थी। से दुहिए ब्या-ध्या बि कड गे त दुहिए टबर अपफ बुछ प्यार जुएई बिशंण लगे।

यक रोज तेनि बुछ यक भाई पंजाह रुपेई टेबुल पुठे छड कड बेहर घेड गा। पर जपल से वापस आ त से रुपेई तठिआ गायब थिए। से अपु होरे भाई केआं पुछता त से बोता “मोड पता नेई”। पर होरा से भाई मानता इ नोऊं। बोता “रुपेई खुर थोडि असे कि से हन्ट कड कुरेह घेन्ते। तउ जरूर पता असा कि रुपेई को गे”। ए शुणं कड होर भाई लेहर एन्ति। से दुहिए बोक बोकि अन्तर



झगड़ीं लगते। तन्के झगडा अतु भुआ कि तेन्हि अपफ बुछ बोक-धोक बि करुं बन्द कड छई। त दुकान अलग अलग लाइ। तेन्हि अपफ बुछ अति दुशमण बरति कि होरे दुशमन

घट कैण लगे। कुछ मेहणु त अता बि पता न लगताथ कि से दुहिए सके भाई भो। ए हाल कोई अठार बीह साल तकर चला।

पता यक रोज यक मेहणु तन्के दुकान एन्ता। से तेस देशे न भुन्ता। कोई दूर देश केआं ओ भुन्ता। त से तेन्हि दुहि दुकान बुछ, यक दुकान घेई कइ बोता कि “तुस कपल केआं इस दुकान अन्तर कम करं लगो असे”? से बोता, “किस, अउं त मठणियारि केआं इठ कम करं लगो असा” । से बोता “बीह साल पेहले अउ इठ आओ थिआ। मोउ केईं वापिस घेण जे रुपेई नेओथ। त मेईं इस दुकाने टेबुल पुटा पंजाह रुपेई मठे टाइ कइ घेई गा। पर एन्हि बीह सालि अन्तर, अउं एस बोक कदि बिसरी न बटा। तउं त अउं दुबारि आओ सा कि तुसि सचाई बतान्ता। पंजाह रुपेई कुछ ज्यादा नेईं फि बि छने मोउ माफ करे”। ए बोक शुण कइ तेस भाई रोलाण एन्ति त से तस जे बोता कि “छने ओस दुकान घेइ कइ एस बोक दुबारि बोले”। से तेस दुकान गा त तठ बि से अपु बोक लाई त तेस दुकानदार बि रोलाण एई गई। तेस मेहणु ए घटना की असी तसे पता लगण केआं पेहलाइ से दुहिए भाई

रोलुण लग गे त यक होरे जे गाड़ा मेड़ा करं लगो। त से भाई जेन कि टेबुल पुठ रुपेई छो थिए, होरे जे बोता “भेउआ, मोउं माफ कर, मेईं बेकार तउ दोष दिता। मोउं से बोक इरुह घेण देण थी”। त से होरा



बि बोता “मोउं बि नाराज नओथ भुण। असी इ बोक ईरुह

बिषण देण थी। पता से दुईए तस मेहणु हेरते त बोते “तुसि खरि की कि वापिस एई कइ सच्चाई बोल छड़ि। न त अस मरुं तकर दुशमन भोई कइ जींतेथ”। से बोता “मोउं एण पडु क्योँ कि अउं इ बोक कदि बिसरी न बटा। मोउं इ बोक चेतान्ति रेहतीथ कि मेई चोरोसु।

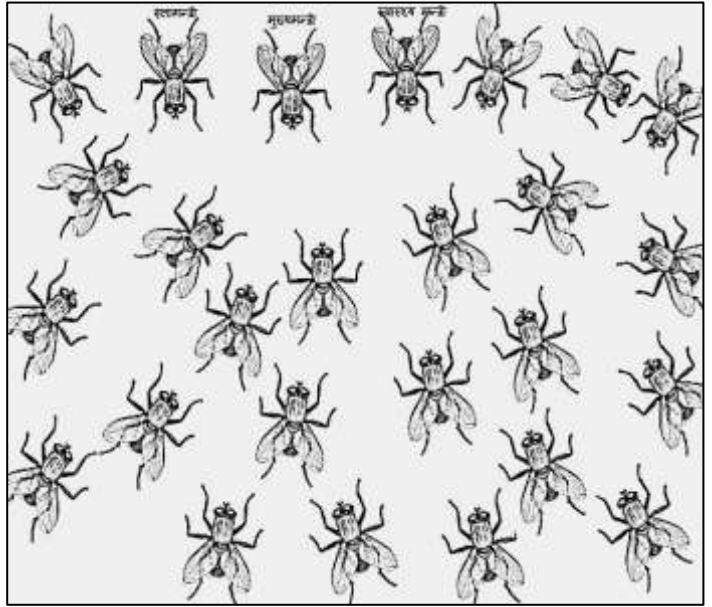
शिक्षा - सच बोलणे बोलि मन शांति मेति त गलतफैहमी दूर भुन्ति।



12. माछि के पार्लामेन्ट

यक रोज अउं मल्योगर घेण लगो थिआ। त बथ मेंई सुआ लिआर शुणि। अउं रुखी गा त इयेर वोर हेरण लगा। पता मोउं केण लगा कि तेठि यक बड़ी टजोट लगो सी। त सुआ माछि

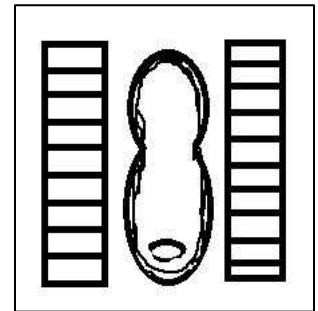
इकठ्ठा बिश कइ कुछ ब्योरा करण लगो सी। अउं धिक भेड़ पुजा त हेरु कि तन्के पन्च त होरे बिशो असे जीं पार्लामेन्ट अन्तर हैं एम.पी त होरे मन्त्री बिशते। तेनि बुछ पन्च श्री.टेरुआ लाल बोलुं लगा



“में ट्यारे टज बाड़ो त दोस्त! नोई साले तुसी सोबि जे मुबारक। अब त हिउंथ घेई गो असा। गरमी ऐण लगो सी त बिना दरी कइ अब असी अपु तिगड़म करुण सी। त अउं हैं मुख्य मन्त्री जे बोता कि छने से अपु बिचार असी सोबि कें अगिर रखें।

माछि कें मुख्य मन्त्री श्री. डेरुवा ठाकुर खड़ भुआ। त सोबि जोर जे हतेउ लेएरी बड़ तेनि स्वागत की। तेनी बोलु “में टजे बाड़ो, जिल्हाणु त दोस्त, तुस सोबि जे में कनारा बि नोई साले मुबारक। एंउश मोउ अपु विचार रखणे मौका देण जे तुस सोबि जे धन्यवाद। गरमी एई गइ त अभेई अस आराम जुए फिर हन्ट सकते त अपु राज्य बढ़ान्ते। तुस सोबि जे त पता असा

कि अब से पेहलेकण जमाना न रेहा, जपल हैं दाँदु त लकड़ दाँदु आराम जुए बिश कइ खान्ते पिन्तेथ त कोई स्यापा नेओथ। रज्जि रोठि मेतिथ त तेन्के जिल्हाणु सुआ गभुर जमानतेथ त टबर बढ़ान्तेथ। एचेल हैं देश अन्तर सुआ स्यापा भोई गो सा। हैं दुशमन, न कि सिर्फ चलाक भोई गो से बल्कि से अस मुकाणे होरे-होरे तिगड़म कइ रखो असी। इ हिऊंथ बइ अउं सोचुण लगो थिआ कि एचेल खाणे चीज किस घटिण लगो सि त बचुण एतु औखु किस भोई गो सु। हैं बजुर्ग जे थिए, तेनि एतु दुर न घेण पड़तुथ। तेनि अपु दुआ केई अगिर त भेड़ ईं रोठि मेतिथ। त तेनि कोई खतरा बि नेओथ। पर जिएस केआं घाटिए सुहिलयत भोई गो सा, तिएस केआं मेहणु टटि बणाण लगो से। से गन्दु चीज बि सुसुर फटाण लगो से। त तन्के सरकार बि स्वछता अभियान कइ कइ सुआ मेहणु बताण लगो से कि माछि कि-
 कि कती। एचेल त मेहणु असी मरुं जे दवाई त होरे मेशिन बगैरा बणाई छोउ से। हैं जनसंख्या पेहले पंगेई जीं थी, तीं अब न असी। जनसंख्या बि कीं बढ़ती, जपल खां जे रोठि सुसुर न मेति, बिशुं जे अब्बुल गी न मेतु त शिचुण जे सकुल न भुन्ते त असी कीं कइ अपु जनसंख्या बढ़ाण्ते?



हां! इ त जरूर असा कि एचेल हैं टेम खराप चलो असा। पर असी हैं दुशमन कें बि ज्यादा चलाक सोचुणे जरूरत असी। इ टेम असा कि अस सोब यक भोई कइ कम करें। पंगेई अभेई बि सुआ टब्बर असे जेन्हि अपल तकर टटि न बणाअ। से बहार

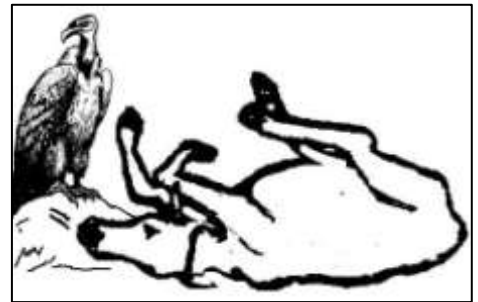
छोठ बिशुं जे घेन्ते। अस इ मौके फाइदा नेण असा। असी पता सा कि मेहणु शाहम त थुक अन्तर बि हें खाणे चीज भुन्ते।



मेहणु इस बारे एतु ध्यान न देन्ते। से जेठ बि अपु शाहम त खंख थुकते। सुआ मेहणु खाणे चीज न ढपते। से खुला रखते। त तिखेई बि अस तेठि बिश कइ अपु कम कइ सकते। ऐचेल प्लास्टिके लिफापा बि हें कम

एई सकती। मेहणु एन्हि लिफाप ईरु बहर फोटान्ते। से त पचति नओ त तथ हें खाणे चीज मीणे सुआ सम्भावना असी। से तो मरो गुओर बि इरु फटान्ते। त से बि अस इस्तेमाल कइ सकते।

रक्षा मन्त्री त स्वास्थ्य मन्त्री मी कइ कुछ नोई तरकीब तोपुण लगो से, की कइ अस मठुड़ भोई सकते त जहरिले दवाई जुए बच सकते। हें कुछ बन्दे दिल्ली लंघो से। से तेठिआ माछि जुए शिच कइ एन्ते कि अस की कइ मेहणु टक्कर दी सकते।



त एईए, अस सोब मी कइ इ मेहणु मुसिबत सामना कते। अगर अस यक मन त यकजूट भोई कइ कम कते त से रोज दूर नेई, जिएस पुरी धरती अन्तर हें राज चलतु। धन्यवाद! सोब माछि हतेउ लेरीं बई त शिन दी कइ मुख्यमन्त्री श्री डेरुवा ठाकुरे हणु एन्के सिकिम बारे खबर देन्ता त तठिआ मठे दौड़ दीति। क मानी। मेंई सोचु कि मेहणु एन्के सिकिम बारे खबर देन्ता त तठिआ मठे दौड़ दीति। - षम्मा सिंह

13. केसेरी बुराई न करीण

यक मेहणु थिआ। तसे सुआ सिएउए बूटे थिए त से सिएउए करोबार कताथ। पर तसे यक बड़ि खराब लिआगत/आदत थी। से



हर टेम कसेरी न कसेरी बुराई कताथ। इ असु, ओ असु बगैरा बगैरा। मेहणु तसे बोलि सुआ परशान भुन्तेथ। त न कोइ तेस धाम कताथ ओर ना अपु गी भिआन्तेथ।

यक रोज तेस केईं यक बाबु एन्ता कुछ सिएउ खरिदुणे। तसे कुछ बि पता नेओत एनि मेहणु के बारे। से कोई छे किलो सिएउ खरिदता त रुपेई देन्ता। पता ब्यादि, जपल से चौकि घेन्ता त भेड़ बड़ सुणता कि से दुकानदार होरि जे बोलुण लगो सा “बाबु कीं सा। मेईं तसे धे अब्बुल अब्बुल सिएउ दिते त हेर तेन मोउं कीं कुस्तरे त पुराणे रुपेई दुतो असे। हेरण जे केतु अब्बुल अब्बुल त नौंए बुट त सूट लान्ता पर अपु चन अन्तर इ कुस्तरे रुपेई रखता। मेहणु एस जे बोते कि ‘बाबु’। से बाबु बिचारा परशान भोई घेन्ता। इ कोई रोजे घटना भुन्ती तेस ग्रां अन्तर।

पता तेस ग्रां अंतर यक ब्याह भुन्ता। त नयी बेउठी ग्रां अंतर एन्ती। थोड़े रोजुं पता तसे राण त राणि तेस मेहणु बारे तस जे बताईं छते। बेउठी चलाक भुन्ति त से तेस मेहणु समझाणे कोशिश कति।

यक रोज से तेस केई सिएउ खरिदण जे घेन्ति। नयी बेउठी हेर कइ तसे खटा मन दौड़ता तेस अंतर कुछ खराबि तोपुणे। पर से बेउठी बोति कि “छने, मेन्धे टाई किलो सिएउ दिए”। से झटपट टाई किलो सिएउ तसे झोड़े अन्तर छता त रुपेई गणं लगता। पर से बेउठी झोड़े अन्तरा यक खराबीं सिएउ टान्ति। से तेस हराल कइ बोति कि “तुस इ शड़ो सिएउ बेचते ना”?से बिचारा परशान भोई घेन्ता। त बोता “माफ करे जो कुदरती, यक खराब सिएउ एई गऊ”। त से बेउठी बोति “अच्छा, ठीक असी। पर अभेई अउं बहार घेई कइ सोबि जे बोति कि तुस इ शड़ो सिएउ बेचते। त तउ केआं कोई सिएउ ना खरिदता। से बोता “हेर कुईए, इ ठीक नेई। अउं खराब सिएउ न बेचता, से शड़ो सिएउ त कुदरती एई गो थिउ। त तु किस सोबि जे बतान्ति?



से बेउठी तस जे बोति कि “तुस किस सोबि बारे खराब बोते। मेहणु थोड़ी भगवान भिन्थ। तस केआं, सोब मेहणू अन्तर कुछ न कुछ कमजोरि भुन्ति। इसे मतलब इ त नेई कि अस तन्के कमजोरि सोबि जे बोलुं। असी यक हारे समझाण

भुन्ते। अब अगर अउं सोबि जे बोति कि तुस खराब सिएउ बेचण लगे से त तुसी घाटा न भुन्ते ना? त अगर तु होरे मेहणु बारे खराब बोता त तन्के बि त कुछ न कुछ नुकसान भुन्ता।

तस मेहणु इ बोक समझ एई घेन्ति कि सोब मेहणु अन्तर बड़िआ त कुछ कमजोरि भुन्ति। कोई बि मेहणु यकदम खरा न भुन्ता। असी यक होरे समझ कइ बिशुण एन्तु। पता तेनि अपु खराब लिआगत छड़ दी त सोब मेहणु जुओई सुसुर बिशण लगा। त ग्रां बाड़े सोब तस बेउठी बारे खरु बोते।



14. सोबि केआं सुखी मेहणु

मते रोज पेहले यक राजा थिआ। तस केई ज्यादा रुपेई केसेरि केआं नेओथ। तेस केआं सुआ जिम त बग थिए। त से अपु मरजि जुएइ राज कताथ। पर से कदि खुश न भुन्ताथ कि तस केआं एति चीज असी।

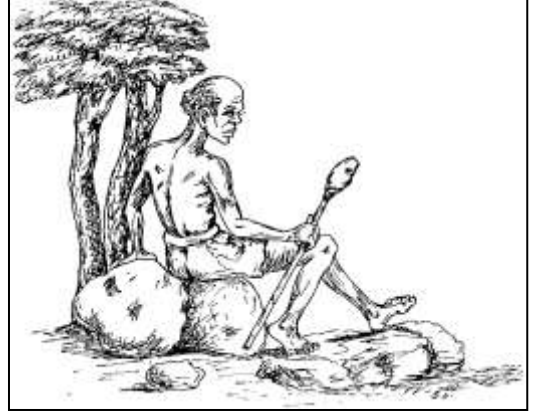


यक रोज से अपु नौखर जे बोता “तु धिक धरति घुम आई। इस कोणे केआं त ओस कोणे तकर। अगर कोई खुश बन्दा मेआल त तसे चलण इए घिन अई। यक लिंग अगर तसे चलण मोउ मेआल

त अउं बि खुश भोई घेन्ता त रोज खुश रेहन्ता। पर अगर तु बजन चलणे आ त तें म्युकुइ अउं इठ टंगांता”।

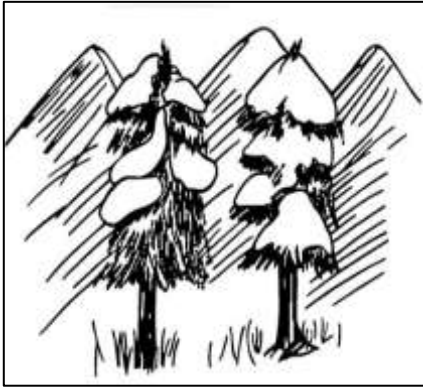
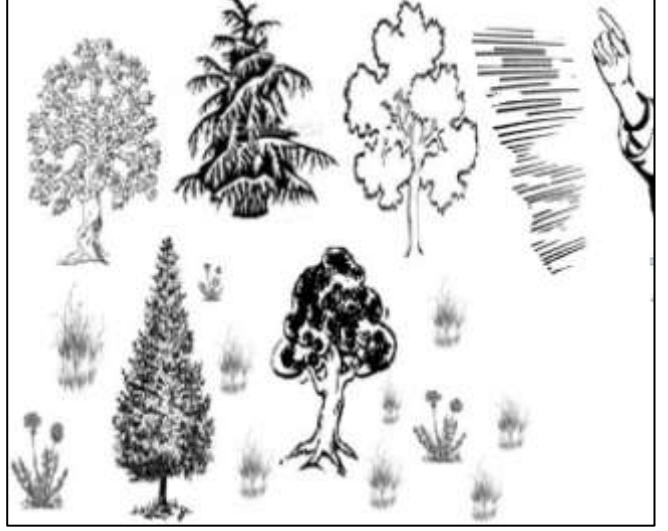
से नौखर अपु झोड़ा जुइहेरता त घेई घेन्ता। से सुआ दुर घेन्ता त तसे कोइ नोऊ, दश मेहने भोई घेन्ते। राजा बि तस भाड़ि-भाड़ि कइ बक भोई गो भुन्ता। त यक रोज से अपु महल केआं हेरता कि कउं लोटिण दी-दी कइ एण लगो सा। त से जपल भेइ पुजता त राजे पता लग घेन्ता कि ए से नौखर भिन्थ। राजा हेरता कि तस नौखरे हथ खालि असे। त तेस लेहर एई घेन्ति।

से बेहर घेई कइ तेस नौखर जे बोता “ तउ केआं यक मिन्ट टेम असा अपु सफाई देण जे कि तेईं चलण किस नेई अण्हो”। से नौखर बिचारा लेरो-लेहयर भोई कइ बोता “महाराज, मोउ यक बन्दा मेओ थिआ जे कि हमेशा खुश रेहन्ताथ। त राजा बोता, अच्छा! त तेसे चलण किस न अण्हा तेईं”? त से नौखर बोता, “महाराज, जे मेहणु हमेशा खुश रेहन्ता, से यक गरीब वंदा असा, तस केईं कोइ चलण नेओथ।



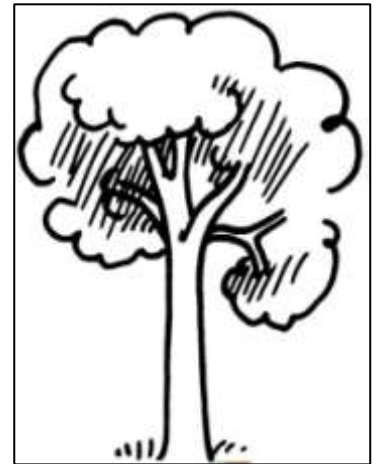
15. अपफ नम्र करे।

जपल परमेश्वरे जिम बणाई त सोब बुटे अपु अपु जगा रखुण एई मे। देआर, शुहण, बेद, सुबेद, थण, चिरि, सिएउ, बाखुर, कॉर्गीस, घास, टाठ त सोब बुटे जेत बि धरति अन्तर मेते। तेन्हि बुछ झगड़ा भोई गा कि भाई कउं बुटा सोबि केआं सुआ जिम अपु नाउं कता। मतलब कि कउं सोबि केआं ज्यादा जिम नेन्ता।



त देआर बोता, “इए शुणे बे, तुस सोबि बुछ अउं सोबि केआं ताकतबर असा। अउं न धुप, न मेघ, न डंग केसे हेर न डरता। अउं साल भई हरा रेहन्ता त तुसि सोबि केआं ज्यादा मोटा भुन्ता।

त मोउ सोबि केआं सुआ जिम लौंति।” देआर बोक शुण कइ थण बुटा बोता “घिए, घिए, तुस अपु जगाई। बस् ताकतबर भुणे कोइ फायदा नेई। मेहणु तउ सिर्फ जाई सकता त दार त थम बणान्ता। मोउं हेर! अउं मेहणु धे अपु फल देन्ता। से तेस फल हियुंथ बइ खान्ते त तेल बि किढते। मोउं सोबि केआं सुआ जिम



लौति।” थण बुटे जपल फले बोक लाई त चिरि, सिएउ थोड़ि चुप बिश सकते? त चिरि बोलु “में बोक धिक शुणि दे! जपल अउं फल देन्ति त सोब मेहणु खुश भोई घेन्ते। गँभुर त कुई, में पतोइ केति ग्ये शुणते। जिल्हाणु बि मोउं शुकुइ बणाई कइ रखते त पता चटनि बणाई कइ खान्ते। त मोउं सुआ जिम लौति।” चिरि बोक शुण कइ सिएउ केआं कीं चुप रेहिन्तु। से बि बोति, “शुणे बे, में बोक बि शुणिं दे। सोबि केआं सुआ जिम मोउं मैओ लौति, किस की अउं मेहणु अब्बुल-अब्बुल फल देन्ता। डाक्टर त बोते कि अगर मेहणु रोज में यक यक रो बि खआल त से कदि बिमार न भुन्ते। त आजकल त तुसि पता लग गो भोल कि मोउं खरिदणे व्यापरी अगिर ई रुपेई दि दाई प्येठी जुइहेरि रखते। तुसि सोबि केआं अउं यक इ बुटा असा जे कि सोबि केआं ज्यादा फायदेमन्द असा।” बिचारे टाठ त घास कुछ बोलि न बटु। से बस् चुपचाप खड़े थिए तेठि।



बुटे झगड़ा बढुं लग गा त परमेश्वर तठ एई गा। तेनी सोबि बुटे केआं अपु अपु दावा शुणा। से घास केआं बि पुछु कि तें दावा कि असा। से बोतु “कुछ नेई। इन्हि सोब मोटे मोटे बुटि अगिर त अउं कुछ बि नेई”। पता परमेश्वर तेन्हि सोबि जे जिम दिता। त लिखो इ असु कि परमेश्वर दुष्ट त घमन्डी मेहणु दूर केई पेछाण घेन्ता त तस घटन्ता। पर जे सद भुन्ता, त अपफ जुए उहन कता, परमेश्वर तस खड़िआ कता त सोबि केआं पुठे

कता। परमेश्वर अपु नियम ना बदलता त जपल तेन्हि बुटे जे जिम बन्टि त सोबि केआं ज्यादा जगा घासे धे दिति, किस कि से अपफ जे नम्र की। तउं त तुस जेठ बि हेरते तथ घास भुन्ति।

परमेश्वरे घासे धे इ खुवी दुतो असी कि से दरियाउ भएइ



लुंघ सकतु त खाड़िआ धार त चोटि पुठ बि लुंघ सकति। से देआर ई लमु न भुन्ति या ताकतबर बि ना भुन्तु पर से जेठ देआर ना बढ़तु तठ बि से बढ़ सकति। अगले फेरि तुस जपल सेटुएण घेएल त जरूर

हेरे कि देआर वुटे पड्डे की असु। जरूर घास ई भुन्तु तठी।

16. सचाई

अमिरपुरे राजा अमरेंद्र सिंह एक लिंग सुआ बिमार भोई गा। त डाक्टरे तेस जे बोलु एक साल पूरा आराम करीं दे। राजे दिल घटि गा तेसे मन से मरुं लगो सा। त तेनी सोब मंत्री त होरे दरबारि भिए। त तेनि एक सवाल पुछा “तुस सोब में बारे कि सोचते? अउं बढिआ राजा असा या खराप राजा असा”? डरीं! मोउ जे सचाई बोलिण दे। अगर तुस सचाई बोलियेल त अउं तुसि सोबी जे एक-एक खास रत्न देन्ता।



सोब मंत्री त दरबारी एई कइ, “महाराज, तुस दुनिया अन्तर सोबी केआं बढिआ राजा असे। तुं राज अन्तर हर मेहणु खुश असे” बगैरा-बगैरा बोलुण लगे। पर मंत्री मान सिंह चुप-चाप बुठो थिआ। तेन , कुछ ना बोलु। राजा, तेस हेर कइ पुछु “मन्त्री मानसिंह, तु किस चुप-चप असा। तउ कि में बारे कुछ नेई बोलुण न”? मानसिंह बोता “एक रत्न जे मोउ सचाई सौदा करण पसन्द नेई। तउं, राजे बोलु “ठीक असी! अउं तेन्दे कुछ ना देन्ता, सचाई बोलिण दे”? तउं मंत्री मान सिंह बोलु “महाराज! सचाई शुणुं सुक्तु नेई। सचाई कोड़ी भुन्ति। तउं राजा, बोता, “मोउ अपु बारे सचाई शुणु जरुरी असी। डरीं! बस् मोउ जे सचाई

बोलिण दे”। तउं मंत्री मान सिंह बोलु “महाराज, तुस बि यक मेहणु भिन्थ।, जे कमजोरी होरे मेहणु अन्तर भुन्ति सेईए कमजोरी तुसि अन्तर बि असी। तूं गलति बोलि प्रजा आज सुआ दुखी भोई गो असी। तुसि त्याहर त मेला बणाण जे सुआ रुपेई खर्च कीओ असे। त दोस्ति अराख पिआण जे सुआ रुपेई खर्च कीओ असे। अब मेहणु अराख पी पी कइ बिमारी भुण लगो असी। अगर ई सोब रुपेई जमिंदारि काम, कारखाना त बथ बणां जे खर्च किओ भुन्तेथ त आज हैं देश अन्तर सुआ सुहलियत भोई घेन्तिथ”। राजा अमरेंद्र सिंह ए शुण कइ धिक सोचु। पता तेनि सोब मंत्री जे यक-यक खास रत्न दिते। मंत्री मान सिंह कुछ ना मेउ। पर राजे से प्रधानमंत्री बणाई छड़ा।

दुई रोज पता, सोबि मंत्री वापस एइ कइ राजा जे बोलु “महाराज! तुसि जे इ रत्न केनि बेचो थिए? से तोप कइ मारण असा। ई सोब रत्न नकली भिन्थ”। त राजा अमरेन्द्र सिंह तेनि जे बोलु “मोउ पता सा। तुसि जीं में बारे नकली बोक लाई यिहांणि ए रत्न बि नकली असे।

17. यक होरि इज्जत करे

मिनु नउए यक कुई थी। से बड़े जोर जे दौड़तिथ। जपल से बड़ि भोई गई त तेनि सुआ दौड़ुं प्रतियोगिता जीती। त तेस कत सुनेरि कॅप (gold medal) बि मेईए। पता मिनु अपु दौड़ुं हेर कइ सुआ रोभ किढतिथ। बोतिथ कि, इस दुनिया अन्तर कोइ मोउ ना हराई बटता।



यक रोज मिनु कुछ समान खरिदण जे बजार गो थी। त यक चोर तसे हतेउ झोड़ा छुड़काइ कइ दौड़ि गा। जपल मिनु चेता आ त तउं तकर से चोर सुआ दूर घेई गो थिआ। तउं मिनु तस हेर बोति “दौड़ दे, केतु दूर दौड़ता तु। तउं पता नेई कि मेईं केति प्रतियोगिता जीतो असी। अभेईं हरालति तउ अउं”। त अपु बूटे त झिणे जुड़ार कइ से बि चोरे पतोति बड़े जोर जोइ दौड़



गई। कोइ पंज मिनट अन्तर से चोरे निडु भुण लागि। त चोर पतू हेर कइ अपु सोब जोर लाई कइ दौड़ा। मिनु हेरति कि चोर अपु पुरा जोर लोओ सा, त तसे अपु प्रतियोगिता चेता एन्ता तेन बि दुगना जोर लाई कइ दौड़ दिति। तसे मन ए मेहणु मोउ जोइ बुड़क् लाण लगो सा। हरालति एस।

बिचारे चोर कुछ दूर घेई कइ दमा लगा त से मठे दौड़ु लगा। पर मिनु तसे केआं अगर दौड़ि गई त कोई दुई मिनिट तकर दौड़ति रेहि। चोर हेरता कि मिनु अगर दौड़ु लगो असी त से अपु बथ बदल कइ होरि बथे बई खिसक गा। पर जपल मिनु चेता आ त तसे पता लगा कि से चोर टाण जे दौड़ दुतो थी। त चोर को गा? जपल से पतुं हेरति त चोर तठिआ गायब थिआ। बिचारि खालि हाथ गी एन्ति। वापिस एण टेम बथ से सोचति कि बेशक् अउं दौड़ुं अन्तर खरी असी। पर चोर बि अपु कम अन्तर उस्ताद असा। न तो से में झोड़ा छुड़काइ कइ कीं फरार भुआ।

इस कथा अन्तर शिचिणे बोक इ असी कि भाई असी अपु कमजोरि पता लगुं लौता ताकि अस रोभ ना करिएल त होरे मेहणु हैं इज्जत कते। सोब मेहणु अन्तर कुछ न कुछ खूवि भुन्ति त हैं मन अन्तर ईं ना लौतु कि “इ मेहणु कुछ कमे नेई”।

18. रोभ न करूण

मत्ते रोज पेहले, यक मेहणु भुन्ताथ। से सुआ रोभ कताथ। मतलब कि से जेहिन बि मेताथ तेहिन जे बोताथ कि ,मैंइ ईं कीउ, मैंइ ओ बि कीउ। दुनिया अन्तर “ईं कोई कम नेईं जेस अउं न कइ बटता”। चाहें से ग्रांओठ भोल या टजोठ भोल से केसे हेर ना डरतथ। तेठि बि से बजरता रेहन्तथ। सोबि मेहणु के कन पकान्तथ अपु बोकि जुओई। से सोचतथ कि सोब मेहणु मोउ मनते। पर तेस ग्रां मेहणु बचारे परशान भुईं कइ सोचतेथ कि इस मेहणु केआं ग्रां कीं छुड़ाण।

त यक लिंग यक स्याणि जिल्हाणु तस केईं अईं त से फि अपु बोक लाण लगा। तेन जिल्हाणु पेहले चुपचप शुणु त पता

बोति “तउ अपफ पुठ सुआ रोभ असा। तु बोता कि तु सोब कइ सकता। अउं यक बोक लांति। हेरि तु कइ बटता ना”? से बोता, “किस ना कइ सकता। जरूर कइ सकता”। त से जिल्हाणु तेस



कियां सोह करवान्ति त बोति “हेरि, जेठि दीस डुबतु, तु तेठि पूजि बटता ना”? से मेहणु दिस हेरता त अपु मन अन्तर सोचता कि ओ यारा ए त कोई दुईं टाईं घन्टे बथ असी। त ए जिल्हाणु कि सोच कइ मोउ जे बोलुण लगो सि। फि से बोता कि “ठीक सि,

अउं घेई सकता। तु मोउं जे कि रोभ लान्ति?" त से जिल्हाणु बोति "सोह कर कि अगर तु पूजि ना बटियेल त मोउ अपु शकल न हेरालिण। त से मेहणु लेहर किदि कइ तेस जिल्हाणु जे बि बोता "अउं त जरूर पूजता तठि। पर जपल अउं पैठता त तउ अपु शकल ना हेरालिण, इस ग्रां । गा त अपु समान जुद्धेरीं दे।" तउं से झठ पार जे घेण लगा जेठ दीस ओलुण लगो थिउ।

से गा त गोठ केआं बि खड़िया घेई गा। जपल से तेस चोटि पुठ पुजा त तेन हेरु कि दीस तठि नेई पर अगिरि चोटि पुठ ओलुण लगो सु। त से दौड़ि कइ होरि चोटि पुठ पुजा। जपल सांख से तेठि पुजा त तेस केउ कि दिस लगो सु ओलुण तठिआ अगिरि चोटि पुठ। तपल अन्हारु बि भूण लग गोओ थीउ। त से बि हंठ-हंठ कइ बख भोई गोओ थिआ, हान्ट हान्ट कइ। त तठि घोड़ पुठ बिश कइ सोचु लगा कि शुइ जरूर पुजता तेस चोटि पुठ। तउं हरालता दीस मोउ कतु दौड़ान्तु हेरि। से राति तठि उंघ गा। त भ्यागे भ्यागे घेण लगा होरि चोटि पुठ जे। पर जपल से तेठि पुजा त दीस अगिरि चोटि पुठ ओलुण लगो थिउ। त से ई कइ कइ सोब फाठ त चोटि कियां पार घेइ गा। जपल सुआ रोज भोई गे त फाठ बि मठणीं लगे त सुआ पद्धर केंण लगे। अब त दिस बि सुआ दुर केंण लगु। तिखेईं तेस मेहणु बि पता लगण लगा कि से केदि बि जेठ दिस डुबतु तठ पुज ना बटता।

हान्टते हान्टते से यक ग्रां पुजा त तठि बिश कइ सोचुं लगा कि से स्याणि जिल्हाणु मोउ कीं फसाई कइ अपु ग्रां केआं अतु दूर लंघाई गई। तेस बिचारे अफसोस भूआ कि से रोभ अन्तर

अत कांणि गोओ थिआ कि तस अत् बि पता न लगा कि दीस
केदि बि जिमि पुठ ओलतु नऊं। तउं तसे रोभ सोब मुख गा। पर
से कदि बि अपु ग्रां न आ। पता से तेस ग्रां बिठा त सोब मेहणु
जोई सुसर बिशा। - षम्मा सिंह

पढ़िए पढ़िए हमारी पंगवाड़ी भाषा में
पेहली मासिक पत्रिका

तुबारि

इस महीने का संस्करण किलाड़ बाजार में उपलब्ध है

तुबारि खरिदे तुबारि पढे अपु पंगवाड़ी भाषा सुहिलयत

में बोउआ !
पंगवाड़ी पढ़ूं जे
सुआ ओखि असि।

हा! पेहले मोउं बि ओखि लगतिथ।
पर दुई मेहने केआं अउं तुबारि पढ़ूं लगो
सा, त अभेई पंगवाड़ी पढ़ूं मोउं सुक्तु
लगतु। तुस बि हर मेहने तुबारि पढ़ीं दे।

